First Year Examination of the
Three -Year Degree Course, 2001

(Faculty of Arts)
RAJASTHAIN SAHITYA

Paper-II
(राजस्थानी साहित्य)
(द्वितीय प्रश्न पत्र)
आधुनिक राजस्थानी काव्य

Time : 3 Hours
[Maximum Marks :100]

1.निम्नलिखित गंद्याशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) बन बिलाव एक देश रो, जीम लेय जद धाप।
अर वचे तो खायले, टाबरिया परताप।।
मोटो सुत चेटक वणे, मझ रँग मूँछ सवार।
लघु मुळके तज भूख तहुँ, भूखे पथ परिवार।
साथीडां सोरी नहीं, आजादी री बात।
रोटी खाणी घास अर, अनुशासन रे साथ।।
अगिण अगिण जुग जगतरो,भण देखो इतिहास।
आजदी हित कण चरी, घुडलाँ रे सँग घास।। 10

अथवा

परवाणो थ्याँ भड् भण्यों, अर खग लो नंगीह।
स्याही दो बूँदा पता, रण धरती रंगीह।।
तव धर हित के गिद्ध धण, ई वन करां निवास।
पास भड़ां रो देसडो, निसदिन ताजा मांस।।
यो गिद्ध के धन मोरिया, धन तव रोग मल्हार।
धुड़लां पग रज री घटा, या भड् री ललकार।।
चूडा सारु धव कहै, पहल मिलण री रीत।
धोको लायो जुद्ध माां, रँगणों , थारे हाथ।

(ख) भावी टाळ सकै कद लिखिया लेख मिटै है
जब्बर बाघ न्रिपां कदनीं काळ गिटै है
कापुरसां रै हाथां सायर मिनख पिटै है
सिंघ सपूत सदा ही पटड़ी छोड़ हटै है।
मन री कायरता नै छोडी होगी ऊभी
सिरकण लागी दो मुंड़ा री जाणै दूंभी
मुंडो खोल्यो ज्हेर भरेडी जाणे तूं बी
बात सुणी तो दुनियां घणै अचंभै डूबी। 10

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

अथवा

जे थूं बन में नहीं भेजती राम राम नीं होतो
अवधपुरी रै बीच बिचाळै खातो रेतो गोतो
कुछ भी गाथा बणती कोनी बिरथ जमारो खेतो
कीकर दुस्ट दलन करतो मां भार धरा रो धोतो।
परण कुटी में राम कैकयी करी मंत्रणा दोनूं
रिसी मुनियां री रिच्छा दुस्ट दळणरी बातां दोनूं
चिंतन करियो कीकर करणी पूरण योजना दोनूं।।

(ग) मंडी सूं
घालौ
हेत
भलां ई
धीजौ
तोळा-ताकड़ी
पण
अडावै मत
राखै
आपौ आंपनै
बगत मौळौ है
धापनै। 10

अथवा

रैवण नै भालांई
कोनीं म्हारै भाग झूंपौ
पण ठावण नै तौ है
हवेलियां
अर हाथां में करार।
डांग माथै ई
म्हारा डेरा सही
पण थांने चुणावणी पडै
हवेलियां!

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

2. '' 'जननायक प्रताप' का प्रत्येक दोहा मर्मस्पर्शी है''-सटीक उदाहरणों द्वारा इस कथन की पुष्टि कीजिए।

अथवा

'श्री रामसिंह सोलंकी रचित 'जननायक प्रताप' में प्रताप की छवि परम्परित न होकर सामयिक है''-इस कथन के आलोक में आलोच्य रचना में वर्णित प्रताप के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए। 20

3. 'कैकयी ' प्रबंध-काव्य में प्रस्तुत कवि श्रीमंतकुमार व्यास की विचार-योजना को सोदाहरण समझाइये।

अथवा

श्रीमंतकुमार व्यास कृत 'कैकयी' के काव्य-सौष्ठव पर अपने विचार लिखिए। 20

4. ''आज रै मिनख रै ओळै-दोळै जिको परिवेस फैल्योड़ो है उण रै माय मिनख री स्थिति कांई है, ई सोच नै गैराई अर प्रभाव रै साथै मीठेस आपरी कवितावां मे राख्यौ है। आं कवितावां मे विचार, अध्यात्म अर भावां री भेळप निस्चै ई सरावण जोग है'' -इस कथन के आधार पर 'आपै रै ओळै-दोळै' कविता संग्रह के भाव पक्ष को सोदाहरण समझाइये।

अथवा

किन्हीं **दो** कविताओं के कथ्य को स्पष्ट करते हुए उनकी विशेषताओं को समझाइये:
(क) दुस्मीचारौ ओझयां।
(ख)सेंस्कार।
(ग)चेतावणी।
(घ)मतना उजाड़। 20

किसी **एक** पर परिचायात्मक टिपपणी लिखिए:
(क) आधुनिक राजस्थानी की प्रकृति-संबंधी प्रमुख रचनाएं।
(ख) आधुनिक राजस्थानी का प्रगतिशील काव्य।
(ग) राजस्थानी की नई कविता।
(घ) आधुनिक राजस्थानी कविता की प्रमुख विशेषताएं। 10

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com